www.evidyarthi.in

नए साम्राज्य और राज्य

अध्याय - 10

हमारे अतीत - VI

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

❑ प्रशस्तियाँ और समुद्रगुप्त

www.evidyarthi.in

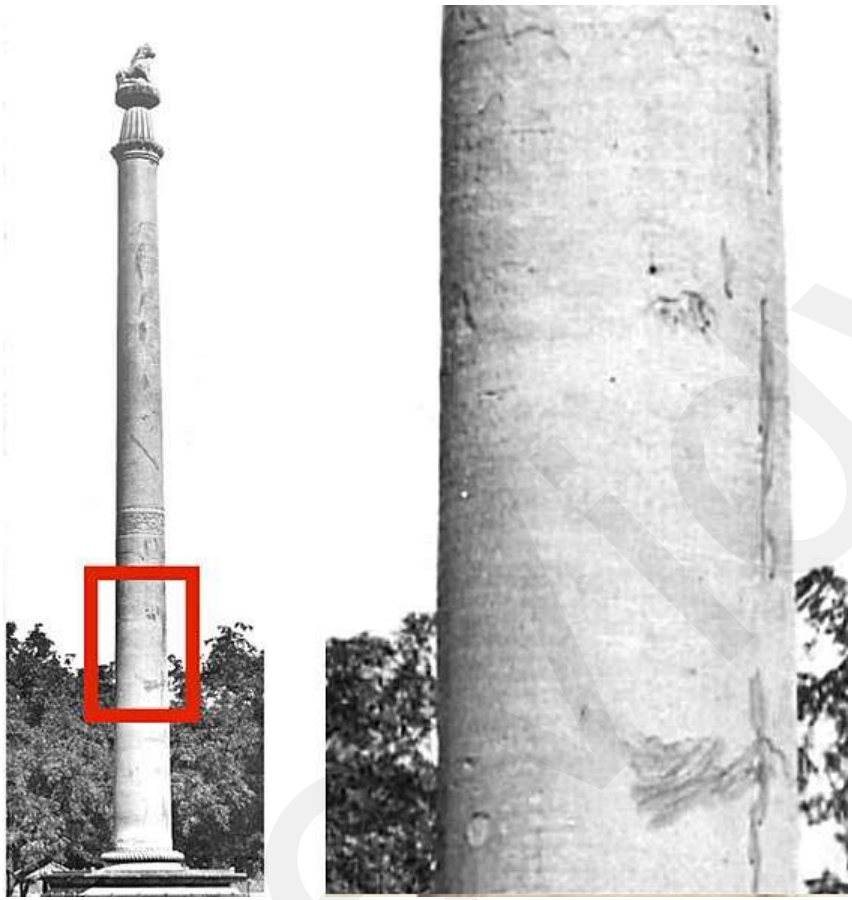

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ प्रशस्तियाँ और समुद्रगुप्त

•एक विशेष किस्म का अभिलेख को प्रशस्ति कहते है। यह एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ 'प्रशंसा' होता है।

•समुद्रगुप्त के बारे में हमें इलाहाबाद में अशोक स्तंभ पर खुदे एक लंबे अभिलेख से पता चलता है।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- जिसकी रचना समुद्रगुप्त के दरबार में कवि व मंत्री रहे हरिषेण द्वारा एक काव्य के रूप में की गई थी।

- समुद्रगुप्त की प्रसस्ति में हरिषेण ने उसे एक योद्धा, युद्धों को जीतने वाले राजा, विद्वान तथा उत्कृष्ट कवि बताया है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

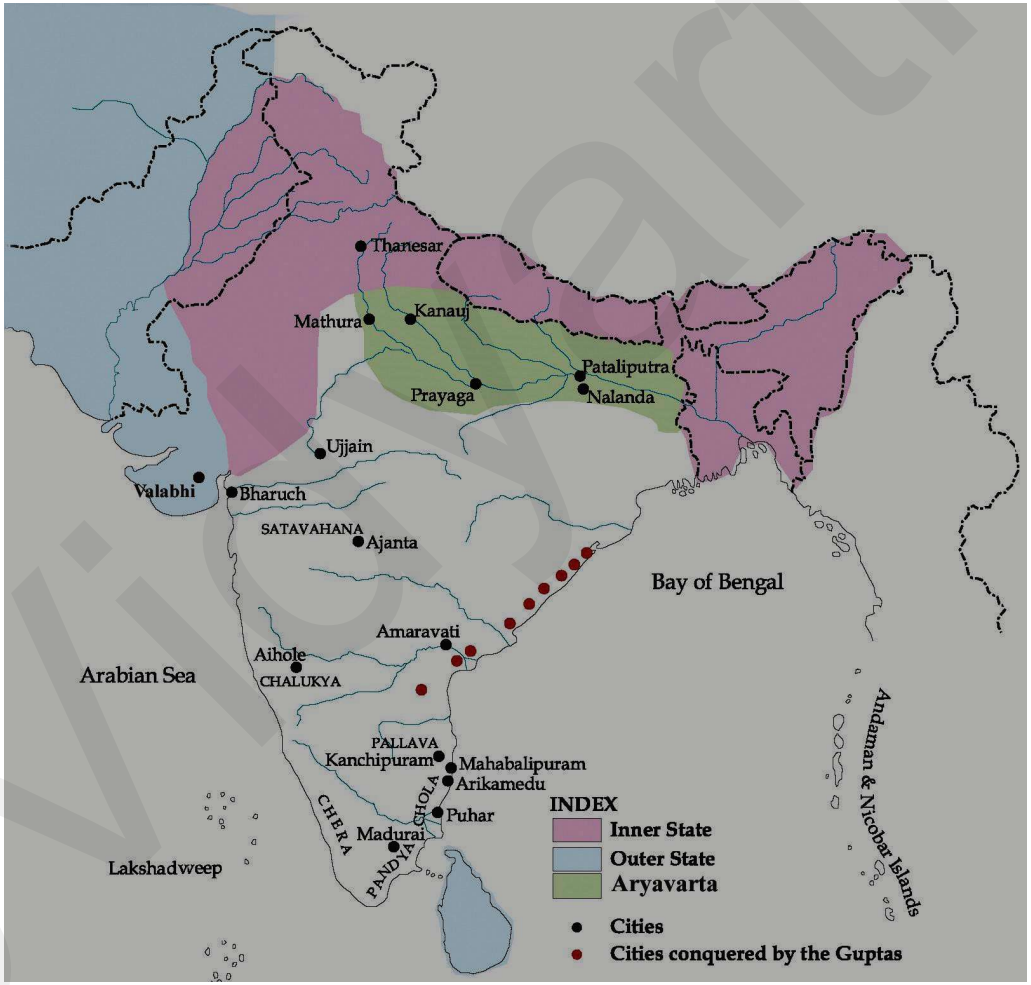

https://www.evidyarthi.in

गुप्त साम्राज्य में प्रशासन

www.evidyarthi.in

• प्रयाग, उज्जैन तथा पाटिलीपुत्र गुप्त शासन के महत्ववपूर्ण केंद्र थे।

•उत्तरी भारत का एक बड़ा हिस्सा समुद्रगुप्त के सीधे नियंत्रण में था। इस भाग को आर्यावर्त के नाम से जाना जाता था। इस भूभाग में समुद्रगुप्त ने नौ राजाओं को हराकर उनके क्षेत्र को गुप्त साम्राज्य में मिला लिया था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

•दक्षिणापथ में उस समय 12 राजा हुआ करते थे। उन्होने समुद्रगुप्त के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। बाद में समुद्रगुप्त ने उन्हें अपने अपने राज्य पर शासन करने की अनुमति दे दी।

•पूर्वोत्तर में असम, तटीय बंगाल, नेपाल और कई गण संघों ने समुद्रगुप्त के आदेश का पालन शुरु किया| इन राज्यों के राजा समुद्रगुप्त के दरबार में उपस्थित होते थे और उपहार भी लाते थे।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

• बाहरी क्षेत्रों के राजाओं ने भी समुद्रगुप्त का आधिपत्य स्वीकार कर लिया। उन्होंने समुद्रगुप्त से अपनी बेटियों की शादी करा दी। ऐसे क्षेत्रों में शायद शक, कुषाण और श्रीलंका आते थे। इस तरह से लगभग पूरा उपमहाद्वीप समुद्रगुप्त के अधीन आ चुका था। कुछ भाग पर उसका प्रत्यक्ष रूप से शासन था जबकि कुछ पर परोक्ष रूप से

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

▪ वंशावलियाँ

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

▪ वंशावलियाँ

•प्रशस्तियाँ शासको के वंशावली (पूर्वजों की सूची) के विषय में बताती है। जैसे समुद्रगुप्त की वंशावली में पिता चन्द्रगुप्त गुप्त वंश के प्रथम शासक तथा माँ कुमार देवी लिच्छवि गण के बारे में पता चलता है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

• समुद्रगुप्त तथा उसके पिता चन्द्रगुप्त ने महाराजाधिराज जैसी बड़ी उपाधि धारण की।

• समुद्रगुप्त के बेटे चन्द्रगुप्त-द्वितीय ने पश्चिम भारत में सैन्य अभियान में अंतिम शक शासक को परास्त किया।

• कालिदास और आर्यभट्ट चन्द्रगुप्त-द्वितीय के दरबार में थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

❑ हर्षवर्धन

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

❑ हर्षवर्धन

www.evidyarthi.in

• (करीब 1400 साल पहले शासन किया)

• हर्षवर्धन के विषय में जानकारी हर्षचरित्र से मिलती है, जो उनके दरबारी कवि बाणभट्ट ने संस्कृत में लिखी है।

• चीनी तीर्थयात्री श्वेनत्सांग हर्षवर्धन के दरबार में काफी समय तक रहा।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

• हर्ष अपने पिता और बड़े भाई की मृत्यु के बाद थानेश्वर के राजा बने।

• हर्ष के बहनोई कन्नौज के शासक थे। जब बंगाल के शासक ने उन्हें मार डाला तो हर्ष ने कन्नौज को अपने अधीन कर लिया और बंगाल पर आक्रमण कर दिया और मगध तथा बंगाल को जीता।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

• हर्ष ने जब नर्मदा नदी को पार कर दक्कन के आगे बढ़ने की कोसिस की तब चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय ने इसे रोक दिया।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ पल्लव, चालुक्य और पुलकेशिन-II

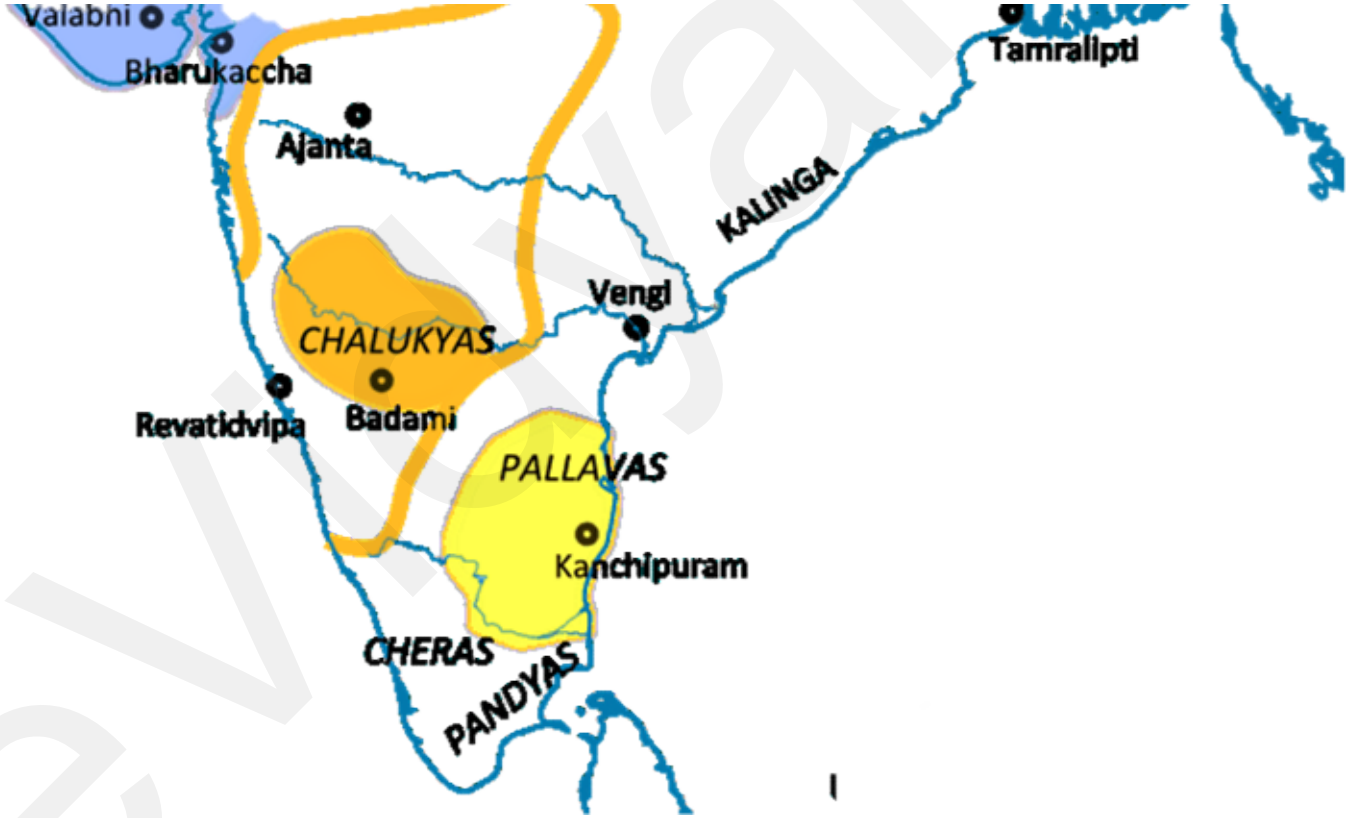

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ पल्लव, चालुक्य और पुलकेशिन-II

• करीब 1400 साल पहले पल्लव और चालुक्य दक्षिण भारत के सबसे महत्वपूर्ण राजवंश थे।

• पल्लव - इनका राज्य उनकी राजधानी कांचींपुरम के आस-पास के क्षेत्रो से लेकर कावेरी नदी के डेल्टा तक फैला था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- चालुक्य -राजधानी -ऐहोल। इनका राज्य कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के बीच था।

- ऐहोल एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। धीरे-धीरे यह धार्मिक केंद्र भी बन गया जहाँ कई मंदिर थे।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

• पल्लव और चालुक्य एक दूसरे की सीमाओं का अतिक्रमण करते थे। मुख्य रूप से राजधानियों को निशाना बनाया जाता था जो समृद्ध शहर थे।

• **पुलकेशिन द्वितीय** - यह सबसे प्रसिद्ध चालुक्य राजा था इसके बारे में उसके दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा रचित प्रशस्ति से पता चलता है।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- प्रशस्ति में उसकी चार पीढ़ियों के बारे में बताया है।
- पुलकेशिन द्वितीय को यह राज्य अपने चाचा से मिला।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

• रविकीर्ति के अनुसार उन्होंने पूर्व तथा पश्चिम दोनों समुद्रीय इलाकों में अपने अभियान चलाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने हर्ष को भी आगे बढ़ने से रोका, पल्लवों को भी पराजित किया।

• पल्लवों और चालुक्यों को अंततः राष्ट्रकूट तथा चोल वंशों ने समाप्त कर दिया।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

❑ प्रशासन

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ प्रशासन

•भूमिकर सबसे महत्वपूर्ण होते थे और प्रशासन की प्राथमिक इकाई गांव होते थे।

• कुछ महत्वपूर्ण प्रशासकीय पद अनुवांशिक बन गए - जैसे की हरिषेण अपने पिता की तरह महादण्डनायक(मुख्य न्याय अधिकारी)बन गए।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

• इसके साथ-साथ ये कुमारमात्य (महत्वपूर्ण मंत्री) तथा संधि-विग्रहिक (युद्ध और शांति विषयों का मंत्री)भी था।

•स्थानीय प्रशासन में प्रमुख व्यक्तियों का काफी बोल बाला था।

• नगर श्रेष्ठी - मुख्य बैंकर या शहर का व्यापारी।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सार्थवाह - व्यापारियों के काफिले का नेता।
- प्रथम-कुलिक - मुख्य शिल्पकार।
- कायस्थ - लिपिकों के प्रधान।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

❑ सेना

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

❑ सेना

• राजा सुसंगठित सेना रखते थे जिसमे हाथी, घुड़सवार रथ और पैदल सिपाही होते थे इसके साथ-साथ कुछ सेनानायक होते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

www.evidyarthi.in

•कई बार सेनानायक राजा को सैन्य सहायता देते थे। इन्हे नियमित वेतन न देकर भूमि दी जाती थी जिससे ये कर वसूलते थे। ये सामंत भी कहलाते थे। जहाँ राजा निर्बल होते थे ये स्वतन्त्र होने की कोशिश करते थे।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

❑ दक्षिण के राज्यों में सभाएँ

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

❑ दक्षिण के राज्यों में सभाएँ

www.evidyarthi.in

• पल्लवों के अभिलेखों में कई स्थानीय सभाओं की चर्चा है।

• इनमे में से एक था ब्राम्हण भूस्वामियों का संगठन जिसे सभा कहते थे।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

•ये सभाएं उप-समितियों के जरिए सिंचाई खेती बाड़ी से जुड़े विभिन्न काम, सड़क निर्माण स्थानीय मंदिरों की देखरेख आदि का काम कराती थी।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- जिन इलाकों के भूस्वामी ब्राम्हण नहीं थे वहां उर नामक ग्राम सभा के होने की बात कही गई।

- नगरम -व्यापारियों के एक समूह का नाम था।

https://www.evidyarthi.in

CLASS VI CHAPTER 10 नए साम्राज्य और राज्य (NCERT)

❑ आम लोग

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in

❑ आम लोग

www.evidyarthi.in

• जनसंधारण के जीवन की थोड़ी बहुत झलक हमें नाटकों तथा कुछ अन्य स्त्रोतों से मिलती है।

• कालिदास ने अपने नाटकों में राज-दरबार का चित्रण किया है। जिसमे राजा और ब्राह्मण को संस्कृत में तथा आम लोग व महिलाएं प्राकृत बोलते हुए दिखाया गया है।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- कालिदास के सबसे प्रसिद्ध नाटक अभिज्ञान सकुंतलम में दुष्यंत नामक एक राजा और शकुंतला नाम की एक युवती की प्रेम कहानी है।

https://www.evidyarthi.in

www.evidyarthi.in

- फा-शियान ने अछूतों की दुर्गति पर लिखा है ये लोग प्रायः शहरों के बहार रहते थे तथा जब बाजार या शहर में आते थे तो सभी को आगाह करने के लिए लकड़ी के दुकड़ो पर चोट करते रहते थे।

https://www.evidyarthi.in